दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 04 | हरिद्वार | शनिवार, 25 जनवरी, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मादक पदार्थों के डिस्पोजल हेतु विशेष अभियान

जतिन शर्मा

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में प्रदेश में मादक पदार्थों के डिस्पोजल हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड की उपस्थिति में औषधि व्यनन समिति के अध्यक्ष आई०जी० गढ़वाल की रिपोर्ट के आधार पर नारकोटिक्स पदार्थों के व्यनन हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा इस कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग करते हुए उपस्थित अधिकारियों को नशा मुक्ति देवभूमि की परिकल्पना को साकार करने के लिए और अधिक प्रभावी तरीके से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उत्तराखंड पुलिस नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई कर रही है। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ राज्य, जनपद, और थाना स्तर पर एंटी नारकोटिक्स टास्क

फोर्स गठित की गई है। पुलिस द्वारा विशेष नशामुक्त अभियान चलाकर अपराधियों पर कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इस वर्ष 11 जनवरी को आयोजित सम्मेलन में 11 से 25 जनवरी तक नशा निपटान पखवाड़ा आरंभ किया गया। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार गढ़वाल और कुमाऊं रेंज में मादक पदार्थ निपटान की कार्रवाई की जा रही है। मादक पदार्थों के निस्तारण का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्ति को बढ़ावा देना है। उत्तराखंड पुलिस द्वारा मादक पदार्थो के विरुद्ध की गयी कार्यवाही के दौरान कुमांऊ मंडल में वर्ष में 2022- 1 करोड़ 15 लाख 88 हजार 150 मूल्य की 252.934 किग्रा ड्रग्स, वर्ष 2023 में ?6 करोड़ 82 लाख 18 हजार 315 मूल्य की 610.80 किग्रा ड्रग्स तथा वर्ष 2024 में ?5 करोड़ 43 लाख 33 हजार 25 मूल्य की 56.201 किग्रा ड्रग्स व 150 नशीली गोलियां जब्त की गई। जबकि गढ़वाल रेंज में वर्ष 2022 में ?2 करोड़ 74 लाख 32 हजार 490 मूल्य की 605.628 किग्रा ड्रग्स, जब्त की गई। वर्ष 2024-25 में औषधि व्ययन समिति द्वारा 496 अभियोगों में 501 अभियुक्तों से ? 6 करोड, 22 लाख, 90 हजार 928 मूल्य की 934.323 किलोग्राम ड्रग्स बरामद कर निस्तारण हेतु चिन्हित किया गया है। निरीक्षण के बाद इसे मेडिकल पॉल्यूशन कमेटी, रूड़की, हरिद्वार भेजा जाएगा। पुलिस महानिदेशक द्वारा बताया गया कि वर्ष 2022 से 2025 तक उत्तराखण्ड में कुल 886 मामलों में 907 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए, जिनसे 2459 कि.ग्रा. मादक पदार्थ बरामद हुए, जिसकी अनुमानित कीमत 22 करोड़ 38 लाख 62 हजार 908 रुपए है। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1988 के तहत 5 अपराधियों पर कार्रवाई की गई, जबकि 8 अन्य के खिलाफ प्रक्रिया जारी है। वाणिज्यिक मात्रा के मामलों में 10 अभियोगों की वित्तीय विवेचना कर, मादक पदार्थों से अर्जित ?3 करोड़ से अधिक की संपत्ति सीज/फ्रीज करने की कार्रवाई हेतु प्रकरण भेजे गए। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में और जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित एन्कोर्ड समितियों की नियमित बैठकें नशे की रोकथाम के लिए कार्ययोजना तैयार करने हेतु आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में राज्य और जिला स्तर के सभी हितधारक विभाग शामिल होते हैं। कुछ बैठकों की अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री ने की है, और उनके निर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है।

बालिका दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के चांदपुर पंचायत घर में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इसमें चांदपुर,कटारपुर, बिशनपुर वह बिशनपुर कुंडी की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और साहायिका ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वितीय वर्षा शर्मा ने की। पोस्टर प्रतियोगिता में कनिष्का प्रथम, मोनिका द्वितीय और दीक्षा तृतीय रही। मेहंदी प्रतियोगिता में कशिश प्रथम, रिया द्वितीय और सोफिया तृतीय रही। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नव्या प्रथम, वामिका द्वितीय और प्रियांशी तृतीय रही। इस दौरान सुपरवाइजर गीतिका गुप्ता, भीष्म देवी, सोनम, भावना, सविता, नीरा, शिखा, संतरी उपस्थिति रही।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

राजभवन में मनाया गया 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' और 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस'

देहरादून । राजभवन में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया। 224 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में हाईस्कूल की प्रियांशी रावत और इंटरमीडिएट में कला संकाय से कुमारी साक्षी, विज्ञान संकाय से कंचन जोशी और वाणिज्य संकाय से तमन्ना पंवार को 5-5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर गुरु राम राय इण्टर कॉलेज सहसपुर की बालिकाओं ने 'बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ' पर आधारित नाटक का मंचन किया। हिमज्योति की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में बदलाव की क्रांति का नेतृत्व हमारी महिलाओं एवं बेटियों द्वारा किया जायेगा। वे हर क्षेत्र

में नेतृत्व के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाएं आज निरंतर हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिकाएं निभा रही हैं। आज प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अपने परिश्रम से प्रदेश की आर्थिकी में योगदान दे रही हैं। उन्होंने बालिकाओं से टेक्नोलॉजी को अपनाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में किसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डिग्री या अवॉर्ड दिए जाते हैं जिसमें लड़कों की तुलना में बेटियों की संख्या अधिक होती है जो एक सुखद बदलाव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने और बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए चल रहे प्रयासों को और मजबूत करने का एक अवसर है। राज्यपाल ने कहा कि आज के दिन का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और बालिका शिक्षा, उनके स्वास्थ्य और पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य का स्थापना दिवस भी आयोजित हुआ। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी विशिष्टताओं और योगदानों के कारण भारत का एक विशेष राज्य है। यह देश का सबसे अधिक आबादी वाला और सर्वाधिक जिलों वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध और विविध स्थलाकृति, जीवंत संस्कृति, त्योहारों, स्मारकों, प्राचीन धार्मिक स्थलों और विहारों के कारण पर्यटकों के लिए अत्यधिक आकर्षण का केंद्र है। राज्यपाल ने हिन्दी साहित्य और कला के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हिन्दी साहित्य के विकास में यह राज्य सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य और कला के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा है और इसके अद्वितीय योगदान ने पूरे देश की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध किया है।

सम्पादकीय

आरोप–प्रत्यारोप

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

दिल्ली सरकार के वकील ने आरोप लगाया कि याचिका राजनीति से प्रेरित है, और उपराज्यपाल कार्यालय के रिपोर्ट को सार्वजनिक और समाचार–पत्रों से साझा करने की बात भी उठाई। कैग की रिपोर्ट के अनुसार शराब नीति की वजह से दिल्ली के राजस्व को दो हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कैग ऑडिट निकाय है, जिसे संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। अनुच्छेद 148 के मुताबिक कैग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है। यह भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभागों और मंत्रालयों की पड़ताल करता है। इसकी रिपोर्ट विधानसभा और संसद में रखी जाती है। इसकी रिपोर्ट का असर इतना होता है कि इसके आधार पर 1989 में कांग्रेस सरकार को संयुक्त मोर्चा ने उखाड़ फेंका था। 21 में स्पैक्ट्रम को लेकर कैग की रिपोर्ट पर 2जी आवंटन में धांधली के चलते सरकार को पौने दो लाख करोड़ रुपये के नुकसान का खुलासा हुआ था जिस पर मनमोहन सरकार को सीबीआई जांच का आदेश देना पड़ा था। शराब घोटाले को लेकर आप के वरिष्ठ नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे भी रहना पड़ा। हालांकि आम आदमी पार्टी रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए भाजपा पर इसे चुनावी मुद्दा बनाने का आरोप लगा रही है। लेकिन भाजपा ने इसे सुनहरा अवसर मान लपक लिया। हालांकि खुद मोदी सरकार कैग रिपोर्ट को लेकर कभी गंभीर नजर नहीं आई।

रिटर्निंग अधिकारी ने राजीव शर्मा को दिया जीत का पत्र

जतिन शर्मा

हरिद्वार। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा नगर की जनता ने हमारे विश्वास का सम्मान किया और हमारे प्रत्याशीयों को पुन- जनता की सेवा का अवसर दिया है, हम जनता के आभारी है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने राजीव शर्मा को जीत दर्ज की खुशी के अवसर पर जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा, यह भी कहा कि जनता जनार्दन ने अन्य सभी दल के प्रतिनिधियों को हराकर कमल का फूल चुना है, हम पर जो अटल विश्वास है हमें जो सम्मान मिला है हम उसके लिए सदैव ऋणी है। यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित बहुत से वरिष्ठ जनों का सानिध्य मिला, जो भी कार्यभार मिलते रहेंगे, जनता के हित के लिए सदैव तत्पर रहकर कार्य करने होंगे। अभी जो कार्य क्षेत्र के विकास के लिए चल रहे हैं उन्हें जल्द पुरा करें और अंतिम चरण तक हर व्यक्ति को सरकार की नीतियों, योजनाओं का बेहतर लाभ मिलना चाहिए। वहीं चुनाव में विफल रहे कांग्रेस प्रत्याशी महेश प्रताप राणा ने राजनिती से सन्यास लेने की घोषणा की।

धांधली की आशंका, कांग्रेसियों का मतगणना स्थल पर डेरा

काशीपुर। मतगणना में गड़बड़ी की आशंका व्यक्त करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी संदीप सहगल गुरुवार रात नवीन फल मंडी पहुंच गए। मतपेटियों की सुरक्षा की जानकारी के लिए कांग्रेसियों ने मंडी में जाने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। इस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाहर जमावड़ा लगा दिया। वह लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। 2018 के निकाय चुनाव में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर थी। शुरुआत में कांग्रेस ने बढ़त बना ली थी। बाद में भाजपा ने 547० वोटों से चुनाव जीत लिया था। तब कांग्रेस ने गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। गुरुवार देर रात 12 बजे तक रिटर्निंग अधिकारियों ने काशीपुर में हुई पोलिंग का प्रतिशत घोषित नहीं किया। इस पर कांग्रेस मेयर प्रत्याशी संदीप सहगल समर्थकों के साथ मतगणना स्थल नवीन फल मंडी पहुंच गए। उन्होंने मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनका कहना था कि मतगणना में अगर पिछली बार धांधली न हुई होती तो कांग्रेस जीतती। लेकिन इस बार वह किसी भी प्रकार की धांधली नहीं होने देंगे।

गोकशी का आरोप, पिता पुत्र नामजद

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र के सलेमपुर में गोकशी का मामला सामने आया है। बजरंग दल नेता की शिकायत पर पुलिस ने पिता पुत्र को नामजद कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को बजरंल दल कार्यकर्ताओं को सूचना मिली की गांव सलेमपुर में एक गोकशी की जा रही है। सूचना मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। इधर, जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मौके से गोअवशेष बरामद हुए। पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाकर गो अवशेष दफना दिए गए।

भालू के हमले से युवक गंभीर घायल

उत्तरकाशी। मोरी के गोविंद वन्य जीव विहार राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के कोट गांव में बीते गुरुवार शाम को भालू ने एक युवक पर हमला कर हायर सेंटर देरहादून रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम को कोट गांव निवासी 32 वर्षीय मुकेश रावत पुत्र किताब सिंह रावत गोशाला सायडी नामे तोक में अपने मवेशियों को चुगाने गया था। इसी दौरान भालू ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे किसी तरह भालू के हमले से बचाया। इसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी पहुंचाया। जहां से उसे हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। उसे बुरी तरह घायल कर दिया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे सीएचसी मोरी पहुंचाया। जहां उसकी हालात गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे वन क्षेत्राधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि भालू के हमले से घायल व्यक्ति को उपचार के लिए 3०हजार रुपये प्राथमिकता सहायता दी गई है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर किया बालिकाओं को जागरूक

रुद्रप्रयाग। जीवन निर्माण एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित विद्यालय डॉ जैक्स वीन नेशनल स्कूल गुप्तकाशी में हंस फाउण्डेशन द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इस मौके पर किशोरियों, बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए उनके स्वास्थ्य संबंधी बालिका किशोरी अवस्था एवं मासिक धर्मचक्र के प्रति जागरूक किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए विद्यालय संस्थापक लखपत सिंह ने हंस फाउंडेशन की ओर से कार्यशाला के लिए आई विशेषज्ञों का स्वागत किया। कहा कि विद्यालयों में किशोरियों के मासिक धर्म एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत जरूरी हैं। हंस फाउण्डेशन की समन्वयक भारती राय द्वारा छात्राओं, किशोरियों एवं महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने व प्रतिमाह होने वाले मासिक धर्म के समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। विषेशज्ञ मालती ने कहा कि हमें अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को चिकित्सकों को खुलकर बतानी चाहिए ताकि हम स्वस्थ र हें। विद्यालय शिक्षिका ज्योति असवाल, विद्यालय कार्यक्रम प्रभारी कविता दुमागा एवं अभिभावक राजेश्वरी गोस्वामी द्वारा भी छात्राओं और उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

छात्रों को चाइनीज मांझे के दुष्परिणाम से कराया अवगत

हरिद्वार। चाइनीज मांझे को लेकर पुलिस महकमे ने जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। कनखल पुलिस ने राजकीय हाईस्कूल जमालपुर कलां में छात्र–छात्राओं को चाइनीज मांझे के खतरे के बारे में बताया। पुलिस ने छात्र–छात्राओं को चाइनीज मांझे का प्रयोग नहीं करने की शपथ भी दिलाई। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि जागरूकता अभियान से बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की कोशिश की गई।

हिंदी ओलंपियाड के पदक विजेताओं का सम्मान

ऋषिकेश। अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड की परीक्षा में ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। परीक्षा में विद्यालय के आठ बच्चों को गोल्ड मेडल और पांच ने सिल्वर मेडल जीता। इन विजेताओं को विद्यालय में सम्मानित किया गया। शुक्रवार को ढालवाला स्थित ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय सचिव कैप्टन सुमंत डंग ने कहा कि रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय द्वारा बीते वर्ष 31 जुलाई 224 को विद्यालय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड की परीक्षा अयोजित की गई थी। जिसमें विद्यालय के 83 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। इसमें विद्यालय के विद्यालय के पांच छात्रों को सिल्वर मेडल, आठ को गोल्ड मेडल मिला है। प्रधानाचार्य विजय राजीव विल्सन ने कहा कि अक्षत राणा, अहाना पैन्यूली, मानसी रतूड़ी, कृतिका, आध्या सिंह को सिल्वर मेडल एवं अंशुमन पुंडीर, प्राची, आंशिक चौधरी, दिया शर्मा, शिवांग चौहान, साक्षी, नीना सक्सेना, सागर लसियाल को गोल्ड मेडल पहनाकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में हिंदी भाषा के महत्व को अपनाना चाहिए है साथ ही दिन पर दिन हिंदी भाषा के गिरते स्तर को ओर अधिक ऊपर उठाना, उजागर करते रहना चाहिए। इससे बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति जागरुकता आएगी और उनमें हिंदी विषय,भाषा व बोली को अपने आगामी जीवनस्तर में अपनाने व पढ़ने की रुचि जागरुक होगी।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

महाकुंभ के दृश्य से पूरे देश आह्लादित

अवधेश कुमार

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम से महाकुंभ के दृश्य पूरे देश को आह्लादित कर रहे हैं। उन दृश्यों को देखने और वहां से निकल रहे वक्तव्यों से पूरे विश्व में फैले सनातनियों के अंदर इच्छा बलवती हो रही है कि एक बार प्रयागराज महाकुंभ जाकर पवित्र त्रिवेणी की डुबकी अवश्य लगाएं। तेरह जनवरी को बुधादित्य महायोग के दिन का आंकड़ा एक करोड़ 75 लाख तो 14 जनवरी को लगभग 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान करने का आया है। संपूर्ण विश्व आश्चर्यचकित हो इन दृश्यों को देख कर इसके पीछे की शक्ति और भावना को समझने की कोशिश कर रहा है। कल्पना करिए, बारह फरवरी तक जन समूह की संख्या कितनी पहुंच जाएगी। मोटा-मोटी आकलन है कि लगभग 4 करोड़ लोग देश-विदेश से प्रयागराज महाकुंभ पहुंचेंगे। भगवा की बहुतायत लेकिन प्रकृति में उपस्थिति हर रंग की ध्वजाएं, पताकाएं और कवेश पहने साधु-संत, गांव-घर के आम देशी-विदेशी जन ने ऐसा विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया है जिसका वर्णन आसान नहीं है। लगातार बजते घड़ी-घंटाल, शंखों की गूंजती ध्वनि, मंत्रोच्चार, 24 घंटे पवित्र गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करते असंख्य लोग, यज्ञशालाओं से निकलते हवनकुंड की अग्नि के सुगंध और भजन-कीर्तन के साथ प्रवचनों की ध्वनियों और ऊपर आकाश से हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वष्रा से निर्मित वातावरण और वहां जाने वालों के चेहरों के भावों को शब्दों से वर्णित नहीं किया जा सकता। हालांकि इसके सूक्ष्म प्रभावों को न समझने वाले शब्दातीत, वर्णनातीत आदि शब्दावलियों को अतिवादी कह सकते हैं किंतु सच यही है। केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ लोगों की रिकॉर्ड उपस्थिति का आकलन करते हुए हरसंभव व्यवस्था की है। पूरे कुंभ नगर का विस्तार 4 हेक्टेयर करके 25 सेक्टरों में बांटा गया, डेढ़ लाख से अधिक टेंट लगाए गए, 44 घाटों पर स्नान की व्यवस्था हुई जो 12 किमी. लंबाई में फैली है। 12 पार्किंग बनाए गए हैं, जिनमें साढ़े 5 लाख गाडिय़ां खड़ी हो सकती हैं। कुल 45 दिनों में रेलवे, हवाईजहाज, राज्य सरकार की बसें, शटल बसें आदि की रिकार्ड संख्या विस्तारित की गई है। समाज में विचार, व्यवहार, कर्मकांड आदि के बीच विरोधाभास, विविधताएं या विभाजन कोई आज नहीं, सदियों से है। जरा सोचिए, महान ऋषि-मुनियों ने किस तरह समय-समय पर इन सबको समन्वित करते हुए संपूर्ण ब्रह्मांड या मानव, जीव-अजीव, सबके कल्याण का भाव पैदा करने के महान अवसरों की दिव्य परंपराएं स्थापित कीं। जिस तरह प्रकट दिखती गंगा-यमुना और अमूर्त सरस्वती का संगम है, उसी को साकार करता जनसमूह अलग-अलग विचारधाराओं, पंथों, मतों, भाषाओं, क्षेत्रों, रंग-रूपों, जातियों, संप्रदायों, सब वहां जाकर वाकई एक हो जा रहे हैं। न कोई भेद, न दूरी और कोई किसी से उसकी जाति-नस्ल-पंथ-संप्रदाय स्वयं को दूर करने या भेद करने की दृष्टि से पूछता भी नहीं। उत्सुकतावश जानकारी के लिए पूछते और एक दूसरे से परिचय करते हैं। इस तरह से देखा जाए तो महाकुंभ संपूर्ण विश्व के जन-जन को एक करने यानी मातृभूमि पुत्रोअहम पृथिव्या की अथर्ववेद की अवधारणा को साकार करने का पर्व है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो प्रयागराज को तीर्थराज कहा गया है और यह निर्वाण की भूमि मानी गई है। पुरु षार्थ चातुष्ट्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों का विपुल भंडार। माना गया है कि यहां आने से सब खुल जाते हैं और त्रिवेणी के तट से अंतर्मन के सारे विकार, क्लेश, दोष मिट जाते हैं। मूल बात है संगम और कुंभ के भाव को समाहित करने की। वह वहां तो साकार दिखता है। जैसा आप जानते हैं कुंभ के हमारे यहां अनेक अर्थ हैं। कुंभ अमृत कलश माना गया है। वेदांत में कुंभ घटा आकाश यानी हृदय एक कुंभ है, कुंभ एक राशि है, इस कुंभ के भाव में गंगा और शिव समाहित हैं। हमारे देश में अंग्रेजों के समय से कथित इतिहासकारों ने भारत और सनातन की सारी परंपराओं, प्रथाओं, पवरे, त्योहारों, पावन अवसरों के अतीत को तिथियों में देखने और अपनी अज्ञानता प्रदर्शन करने की ऐसी नींव डाली कि अकादमी क्षेत्र में कोई भी विषय अविवादित रहा ही नहीं। किसी की तिथि मान्य नहीं, उम्र मान्य नहीं किंतु जनमानस के लिए संगम का आरंभ कब से हुआ, किसने किया, किस काल में था इनके न कोई अर्थ थे, न हैं, और न आगे होंगे। यह हमारे महान पूर्वजों के दिए गए संस्कार और चरित्र हैं, जिनने आज तक ऐसी राजनीतिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक, आर्थिक व्यवस्थाओं और ढांचों की प्रतिकूलताओं से परे किसी न किसी रूप में मौलिकता के साथ भी इन सबको कायम रखा है। सच कहा जाए तो यही हमारी अंतर्शक्ति है, जिस पर भारत विश्व के लिए आदर्श और दिशा देने वाला देश बन सकता है। संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो गई है। ऐसा नहीं है कि राजनीतिक सत्ता हमारे धर्म, कर्मकांड आदि के रास्ते निर्धारित करती हैं किंतु अगर उन्हें इसकी समझ है या वे इसके ज्ञानियों से समझने की कोशिश करते हैं, तो अनुकूलताएं निर्मित होती हैं, व्यवस्थाएं खड़ी होती हैं, उसके अनुरूप आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती हैं, जिनसे ऐसे अवसरों पर संत-महात्मा, साधु-संन्यासी, विद्वतजन, आम श्रद्धालु सभी अपने कर्म करने में सहजता महसूस करते हैं। इनसे महाकुंभ जैसे आयोजन अपनी संपूर्णता में प्रकट होते हैं। इसी मायने में मोदी सरकार और योगी सरकार पूर्व की सरकारों से गुणात्मक रूप से भिन्न प्रमाणित हो रही हैं। इतने विशाल और लंबे आयोजन की दृष्टि से कोई भी व्यवस्था संपूर्ण या आदर्श नहीं हो सकती। महाकुंभ जैसे आयोजन में बगैर कुछ बोले संपूर्ण विश्व में संदेश जा रहा है कि कैसे एक साथ इतनी बड़ी संख्या में अलग-अलग पंथ, संप्रदाय, जिनके बीच घोर मतभेद और कुछ के मध्य संघर्ष रहे हैं, सब इकट्ठे होकर आत्मोद्धार, समाज और विश्व कल्याण के भाव से संगम में स्नान-यज्ञ आदि कर रहे हैं। यह भी स्थापित हो रहा है कि यह प्राचीन सभ्यता और महान विरासत के ठोस आधारों पर खड़ा आधुनिकतम सोच और व्यवस्थाओं से सामंजस्य बिठाने वाला परिपूर्ण देश है।

देश में शहरों का भू-रिकॉर्ड

मनोज जोशी

मनुस्मृति में राजाओं द्वारा भू-राजस्व संग्रह के उल्लेख से लेकर शेरशाह और मुगल काल में राजा टोडरमलन द्वारा विकसित भू-अभिलेख प्रणाली, ब्रिटिश काल के दौरान विकसित भूमाप प्रणाली और स्वतंत्रता के बाद विकसित भू-अभिलेख व्यवस्था के बाद से भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में अब पूर्णतया डिजिटल भू-रिकॉर्ड और मानचित्रण तक पहुंचने की लंबी यात्रा तय कर ली है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु तथा कुछ अन्य शहरों को छोडक़र भारत में शहरी भू-अभिलेख नहीं रखे जाते। अधिकांश रूप से उप पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत संपत्ति का खरीद-बिक्री का ब्यौरा ही शहरी भू-अभिलेख का एकमात्र साधन है। पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत कार्य करने वाले उप रजिस्ट्रार विक्रेता की जानकारी रखने के कुछ उचित उपाय करते हैं, लेकिन उन्हें उन सभी दस्तावेजों को पंजीकृत करना चाहिए जो उनके सामने प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकारी भू-अभिलेखों के अभाव में शहरी भूमि संपत्ति के मामलों में धोखाधड़ी और विवाद की आशंका बनी रहती है।

भारत में तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे महानगरीय बस्तियों के आस-पास के गैर-शहरी इलाके (पेरी-अर्बन) में निजी डेवलपर्स कृषि भूमि को लेकर उन्हें कॉलोनियों में बदल रहे हैं। इन कॉलोनियों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध अनुमोदन के साथ या उसके बिना ही विकसित किया जा रहा है। अनधिकृत कॉलोनियों में एक ही प्लॉट की कई बार बिक्री के बहुत सारे मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी भूमि अभिलेखों के ना रहने से महंगी शहरी भूमि के मामले में अनिश्चितता, जोखिम, क्रेताओं को अनावश्यक परेशानी और मुकदमेबाजी होती है।

ड्रोन आधारित हवाई इमेजरी-सिटी सर्वे

कंप्यूटरकृत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से ड्रोन/विमान के माध्यम से 5 सेमी की सटीकता से अब भू-मानचित्र 2 लाख रुपये प्रति किमी 2 की उचित लागत पर 2-4 महीने की अवधि में तैयार किया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों को ऐसे मानचित्रों का जमीनी सत्यापन करने और स्वामित्व दस्तावेजों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। नगरपालिका संपत्ति कर डेटा स्वामित्व पर प्रारंभिक जानकारी प्रदान करता है। व्यक्तिगत भूखंड और मालिकाना विवरण के साथ विस्तृत नक्शे प्रकाशित करने के उपरांत, सार्वजनिक आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। शहर के सर्वेक्षण का कठिन हिस्सा जमीनी स्तर पर इनकी पहचान करना और स्वामित्व दस्तावेजों को प्रमाणित करना है। जमीनी सत्यापन के लिए बड़ी संख्या में टीमों को शामिल करने की आवश्यकता पड़ती है जिनमें सर्वेक्षक और सरकारी अधिकारी होते हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित नगर सर्वेक्षण में भी वास्तविक कब्जे वाली भूमि और अधिकार दस्तावेज के बीच अंतर पाया गया है। जीआईएस आधारित मापों की उच्च स्तरीय सटीकता में 5 प्रतिशत तक अंतर होता है। नए रिकॉर्ड में उनके कब्जे में कम भूमि दिखने के कारण भू-मालिक आपत्ति दर्ज करते हैं। इसके अतिरिक्त कई मामलों में भू-स्वामित्व स्पष्ट नहीं होता या इस पर विवाद रहता है।

शहरी भू-सर्वेक्षण में बड़ी जनशक्ति लगती है और भूमि स्वामित्व संबंधी आपत्तियों के सावधानीपूर्वक निपटान की आवश्यकता पड़ती है। राज्य सरकार की ओर से इसके लिए व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) ने एक वर्ष में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 152 शहरों में नक्शा (एनएकेएसएचए) नामक शहर सर्वेक्षण पायलट कार्यक्रम आरंभ किया है। इसके बाद अगले चरण में 1 शहरों में यह सर्वेक्षण किया जाएगा और 5 वर्षों में सभी 4912 शहरों में यह योजना चलाई जाएगी।

शहरी भूमि रिकॉर्ड और शहर के सर्वेक्षण से प्राप्त नक्शे नागरिकों को अधिकार प्रदान करते हैं। अन्य संबंधित डेटा जैसे मालिक/किरायेदार परिवार का विवरण, संपत्ति कर, भवन योजना अनुमोदन, बिजली, पानी और गैस को भी इसी आधार पर समेकित किया जा सकता है। इससे नागरिकों के जीवन में सुगमता आएगी और विभिन्न स्थानीय सरकारी एजेंसियों को उनके कार्य में सुविधा होगी।

शहरी नियोजन और संपत्ति कर

कई कैमरों के साथ, शहरों की त्रिआयामी छवि और डिजिटल ट्विन उत्पन्न होते हैं। इनका उपयोग बेहतर संपत्ति कर मूल्यांकन और शहरी नियोजन के लिए किया जा सकता है। लेजर आधारित लिडार इमेजिंग ऊंचाई मानचित्रण प्रदान करती है जो शहरों में तूफान/बाढ़ के पानी की निकासी और आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने लिए बेहतर डिजाइन बनाने में सहायक होती है। यह परिवहन योजना, सडक़ विकास, ढांचागत विकास के लिए भूमि अधिग्रहण और शहरी नियोजन के अन्य पहलुओं को सुगम बनाता है। भारत के कई शहरों में ड्रोन से चित्र लिए गए हैं, लेकिन शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) में क्षमता की कमी से उनका इन उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया गया है। राज्यों और यूएलबी को जीआईएस प्रौद्योगिकियों और शहरी नियोजन में निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता लेने की आवश्यकता है।

दस लाख की आबादी वाले शहर में इन कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि 5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं लगेगी। यह गहन प्रयास है जिसमें धन का इतना महत्व नहीं है। भारत अगले 5 वर्षों में हवाई इमेजरी के सरल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शहरी भूमि रिकॉर्ड सुव्यवस्थित करने, संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन और शहरी नियोजन समाधान तथा बाढ़ शमन उपायों को विकसित करना चाहता है। (लेखक ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के सचिव हैं)

निकाय चुनाव में विजयी हुए सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं : मुख्यमंत्री धामी

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में निकाय चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग और निर्वाचन में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने निकाय चुनाव में विजयी हुए सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संदेश में कहा कि हम मिलजुल कर प्रदेश को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए कार्य करेंगे और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नगर निकायों के माध्यम से हम क्लीन और ग्रीन सिटी कांसेप्ट को धरातल पर उतारेंगे। हमारी सरकार बिजली, सड़क पानी, फुटपाथ, पार्क, ओपन जिम, कूड़ा उठान और उसका निस्तारण सहित अन्य सभी सेवाओं को जनता के द्वारा तक पहुचाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने का जो वायदा किया है उस पर तेजी से कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमारे सभी चुने हुए मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष और पार्षदगण मिलजुल कर हमारे कस्बों और नगरों को सुंदर बनाएंगे। हम सीसीटीवी, सोलर द्वारा सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। सभी विजयी प्रत्याशियों को शुभकामना देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे निकाय प्रतिनिधियों पर दोहरी जिम्मेदारी है , क्योंकि उन्हें नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ-साथ पर्यटकों के दृष्टिकोण से भी नगरों को स्वच्छ और सुंदर बनाना है और उनके दृष्टिगत सुविधाएं जुटानी है ताकि देश विदेश से आने वाले पर्यटक उत्तराखंड से अच्छा संदेश लेकर लौटें।

उत्तरकाशी जिले में भूकंप के झटकों से दहशत

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। एक ही दिन में लगातार तीन बार भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। लोग डर के मारे घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ पड़े। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में सबसे ज्यादा झटके महसूस किए गए। शुक्रवार को सुबह 7 बजकर 41 मिनट पर भूकंप का पहला झटका महसूस किया गया। जिसकी रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 2.7 रही। इस भूकंप का केंद्र जिला मुख्यालय स्थित ग्राम तिलोथ के पास बताया जा रहा है। जिसकी गहराई जमीन से पांच किमी अंदर रही। केंद्र जिला मुख्यालय के नजदीक होने के कारण कम तीव्रता के बावजूद भूकंप का झटका काफी जोरदार रहा। इसके बाद 8ः19 बजे 3.5 तीव्रता का भूकंप का झटका फिर महसूस किया गया। जिसका केंद्र तहसील भटवाड़ी के दयारा बुग्याल के वन क्षेत्र में रहा। इस भूकंप की गहराई भी जमीन से पांच किमी अंदर रही। इसके बाद 10बजकर 59 मिनट पर फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि इस भूकंप की तीव्रता और केंद्र का पता नहीं चल सका। उत्तरकाशी में लगातार भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग भयभीत हो उठे। सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर आए भूकंप के झटके काफी तेज थे, जिस कारण लोग भय के मारे घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की तरफ दौड़े। जिससे जिले के लोगों में 1991 में आए विनाशकारी भूकंप की यादें ताजा हो उठी। जिला आपदा कंट्रोल रूम के अनुसार, भूकंप से जनपद में किसी प्रकार की जन-धन की हानि की सूचना नहीं है।

अवैध खनन में तीन ट्रैक्टर ट्रोली सीज

हरिद्वार। बहादराबाद पुलिस को सूचना मिली कि पथरी रोह नदी में ट्रैक्टर ट्रॉली से खनन किया जा रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने खनन सामाग्री से भरी तीन ट्रेक्टर ट्रॉली को पकड़ लिया। पुलिस ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़कर बाजार पुलिस चौकी ले आयी। पुलिस ने तीनों ट्रैक्टर ट्रालियों को सीज कर दिया। थानाध्यक्ष नरेश राठौड़ ने बताया कि अवैध खनन में शामिल तीन ट्रैक्टर ट्रालियों को सीज कर दिया गया है।

महाराज ने एएसआई से कहा पौराणिक मंदिरों का संरक्षण जरूरी

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों के साथ बैठक कर मानसखण्ड मंदिर माला मिशन पर चर्चा करने के साथ-साथ उत्तराखंड के पौराणिक मंदिरों को संरक्षित करने को कहा है। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को नई स्थित उत्तराखंड निवास में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक यदुवीर सिंह रावत सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर मानसखण्ड मंदिर माला मिशन पर चर्चा करने के साथ-साथ उत्तराखंड के पौराणिक मंदिरों को संरक्षित करने को कहा है। बैठक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक यदुवीर सिंह रावत, निदेशक संरक्षण सुंदर पॉल, प्रदेश के संस्कृति सचिव युगल किशोर पंत, यूटीडीबी के वित्त निदेशक जगत सिंह चैहान, पुरातत्व विभाग देहरादून के अधीक्षक मनोज सक्सेना, सहायक अधीक्षण पुरातत्व अभियंता आर के मीना, संरक्षण सहायक नीरज मैठाणी, ध्रुव आदि अधिकारी मौजूद थे।

कुर्सी दौड़ में राप्रावि सेंधीखाल रहा प्रथम

कोटद्वार। बरस्वार संकुल की संकुल स्तरीय सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन संकुल केंद्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेंधीखाल के परिसर में शुक्रवार को किया गया। इस दौरान संकुल समन्वयक बरस्वार चंद्रमोहन सिंह रावत की देखरेख में प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आयोजित कुर्सी दौड़ में राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेंधीखाल ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज सेंधीखाल ने द्वितीय, नींबू-चम्मच दौड़ में विद्यालय प्रबंध समिति गौलीखेत ने प्रथम, राप्रावि सेंधीखाल ने द्वितीय, पारंपरिक परिधान में रैंप वॉक में राप्रावि गौलीखेत ने प्रथम, प्राथमिक विद्यालय गजवाड़ ने द्वितीय, प्राथमिक वर्ग के लोक नृत्य में प्राथमिक विद्यालय गजवाड़ ने प्रथम और राप्रावि तूनीखाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्थानीय उत्पादों पर आधारित एवं शिक्षाप्रद प्रदर्शनी एवं स्टॉल संयोजन में राजकीय प्राथमिक विद्यालय गजवाड़ ने प्रथम और राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेंधीखाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वर्षभर के रिकार्ड के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय प्रबंधन समिति का पुरस्कार राजकीय प्राथमिक विद्यालय गौलीखेत को मिला।

एम्स की आपातकालीन हेली एंबुलेंस सेवा, पहाड़ में महिलाओं को मिल रहा विशेष लाभ

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। एम्स की ओर से संचालित आपातकालीन हेली एंबुलेंस सेवा पहाड़ के लिए वरदान साबित हो रही है। अब प्रसव जैसे मामलों के लिए राज्य के विभिन्न सुदूरवर्ती इलाकों से चिकित्सा के लिए आपातकालीन हेली एंबुलेंस सेवा का लाभ ले रहे हैं, जिससे असहाय लोगों को एम्स द्वारा तत्काल चिकित्सा मदद उपलब्ध कराई जा रही है। एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉ.)मीनू सिंह की देखरेख में संचालित हेली एंबुलेंस सेवा के नोडल अधिकारी एवं इंचार्ज डॉ. मधुर उनियाल ने बताया कि शुक्रवार को जनपद उत्तरकाशी से महिला पेशेंट कंचन देवी को तत्काल प्रसव के लिए जिला अस्पताल उत्तरकाशी से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। पेशेंट को हेली एंबुलेंस के जरिए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चांदनी व टीम हेम्स के वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी अखिलेश उनियाल की निगरानी में एम्स ऋषिकेश लाया गया, बताया गया है कि उत्तरकाशी में पेशेंट रिसीव करते समय महिला का बीपी 210/170 द्वद्वङ्कद्द था और प्लेटलेट काउंट भी सामान्य से काफी कम था, लिहाजा मौके पर ही पेशेंट को बीपी कंट्रोल के लिए जरुरी उपचार दे दिया गया था। पेशेंट को एम्स के गायनी विभाग आईपीडी में डॉ पूनम के देखरेख में भर्ती करवाकर नॉर्मल डिलीवरी कराई गई, जच्चा बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं और पेशेंट का उच्च रक्तचाप सामान्य हो गया है, पेशेंट का बीपी नॉर्मल होने तक चिकित्सकों की निगरानी में रखा जाएगा । उन्होंने बताया कि बीते बुधवार को भी उत्तरकाशी से एक अन्य महिला पेशेंट को प्रसव के लिए आपातकालीन हेली एंबुलेंस सेवा के माध्यम से एम्स लाया गया था। महिला में प्लेटलेट्स की मात्रा सामान्य से कम पाई गई जिसे भी जिला अस्पताल उत्तरकाशी से आपातकालीन स्थिति में प्रसव हेतु एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया , मरीज को गायनी विभाग की डॉ. कृपा यादव व टीम हेम्स की नर्सिंग ऑफिसर तरन्नुम अहमद की देखरेख में एम्स लाकर गायनी विभाग में डॉ. अमृता गौरव के अंडर भर्ती किया गया, बताया गया कि महिला को डिलीवरी के दौरान रक्त भी चढ़ाया गया और इसके बाद कुशलतापूर्वक सामान्य डिलीवरी कराई गई, जच्चा बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादकः **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com